सीमांत क्रीड़ा महोत्सव के समापन समारोह में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के अभिभाषण का प्रारूप

दिनांक 1 अप्रैल 2024, सोमवार	समय : 5.30 PM	स्थान : सरुसजाई, गुवाहाटी

- भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष एवं माननीय सांसद **ॉ. पी.टी ऊषा जी**,
- र.एस.एस के असम क्षेत्र प्रचारक **श्री वशिष्ठ बुजरबरुवा जी**,
- द हंस फाउंडेशन के सीईओ **श्री संजीव जे. कपूर जी**,
- क्रीड़ा एवं युवा कल्याण विभाग, असम सरकार के निदेशक **श्री प्रदीप तिमुंग जी**,
- सीमांत चेतना मंच, पूर्वोत्तर की अध्यक्ष **ड़ॉ. प्रतिमा नियोगी जी**,
- सीमांत क्रीड़ा महोत्सव' 24 के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त ईपीएस अधिकारी **श्री प्रदीप कुमार जी**,
- सीमांत चेतना मंच, पूर्वोत्तर के कार्यकर्तागण,
- क्रीड़ा महोत्सव में भाग लेने वाले खिलाड़ियों
- मीडिया के हमारे मित्रों,
- देवियों और सज्जनों !

नमस्कार !

"सीमांत क्रीड़ा महोत्सव' 24" के समापन समारोह में प सभी को संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही ह॥ वास्तव में यह मेरे लिए सीमा क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने, उनके खेल कौशल की सराहना करने का अवसर ह॥ मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं सीमांत चेतना मंच, पूर्वोत्तर को धन्यवाद देता हूं। साथ ही क्रीड़ा महोत्सव में योजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजयी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

यह खुशी की बात ह कि इस तीन दिवसीय क्रीड़ा महोत्सव में 655 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया ह॥ यह राज्य स्तर पर योजित फाइनल प्रतियोगिताएं थीं। यह जानकार बहुत खुशी हुई कि इससे पहले जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में सीमांत जिलों धुबड़ी, मानकचार, कछाड़, करीमगंज, उदालगुड़ी, बाकसा, तामुलपुर, चिरांग और कोकराझाड़ से 7000 से भी अधिक युवाओं ने भाग लिया।

वास्तव में यह सराहनीय योग्य बात ह कि सीमांत चेतना मंच, इतनी बड़ी संख्या में सीमा क्षेत्रों के युवाओं को खेल के प्रति कर्षित करने और उन्हें अनुशासित करने का काम कर रहा ह ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से मंच न केवल सीमा क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देना का काम कर रहा ह बल्कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करने का प्रशंसनीय कार्य कर रहा ह

यह हम सभी जानते हैं कि सीमान्त चेतना मंच, पूर्वोत्तर एक पंजीकृत सामाजिक-सांस्कृतिक और गै- राजनीतिक संगठन ह जो हमारी मातृभूमि भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा और समग्र विकास को बढ़ावा देने के महान उद्देश्य के लिए काम कर रहा ह

सीमान्त चेतना मंच, पूर्वोत्तर राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध ह इस उद्देश्य से संगठन बठकें, प्रदर्शनियाँ, सेमिनार, प्रशिक्षण दि विभिन्न माध्यमों से पूर्वोत्तर के अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों में बड़े पमाने पर देशभक्ति को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा ह

इसी कड़ी में संगठन द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुवाहाटी के इस सरुसजाई स्टेडियम में "**सीमांत क्रीड़ा महोत्सव 24**" का सफलतापूर्वक योजन किया ह॥ मैं लोगों, विशेषकर युवाओं के बीच देशभक्ति की भावना, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम योजित करने के लिए सीमांत चेतना मंच, पूर्वोत्तर की सराहना करता हूं।

देवियो और सज्जनो,

 ज के परिवेश में हमारी युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति, मूल्यों और संस्कारों से दूर होकर पाश्चात्य संस्कृति से अधिक प्रभावित हो रहे हैं। जकल के अधिकांश युवा सोशल मीडिया और नशीले व मादक पदार्थों के प्रभाव में कर अपना समय, चरित्र और शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य खो रहे हैं। लेकिन इस तरह की खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं को सोशल मीडिया के बंद दायरे से बाहर खुले मद्यान की ओर खींचकर लाती हैं, जहां वह अपना पसीना बहाता ह और शरीर को बलिष्ठ बनाता ह और मन को भी पुष्टि मिलती ह॥

खेलकूद प्रतियोगिताओं से युवाओं में अनुशासन और शिष्टाचार की भावना जागृत होती ह॥ शारीरिक और मानसिक मजबूती से उसके भीतर त्म विश्वास ता ह॥ वह देश और समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बनता ह॥

युवा देश का भविष्य हैं। देश के विकास के लिए उनका शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं गतिशील होना वश्यक ह॥ खेल ऐसा माध्यम ह, जिससे शारीरिक स्वास्थ्य बना रहता ह॥ खेल मनुष्य को लस्यविहीन होने के लिए अग्रसर करता ह तथा जीवन के संघर्षों के प्रति मनोबल का दृढ़ता प्रदान करता ह॥ मैं यह समझता हूं कि युवाओं को अपनी जीवन शाली में खेल और योग को शामिल करना चाहिए।

जीवन में धर्य और अनुशासन से ही व्यक्ति सफल हो पाता हऔर खेलों में भी धर्य और अनुशासन ही जीत की पूंजी ह॥ एक अच्छा खिलाड़ी खेल में ई हुई कठिनाइयों से उभरकर जीत का वरण करता हऔर ऐसे ही जीवन में खेलों जाली जीवटता रखने वाला व्यक्ति कभी हारता नहीं।

खेल के अभ्यास से मनुष्य का चारित्रिक और ध्यात्मिक विकास भी होता ह॥ खेल मे भाग लेने से खिलाड़ियों में सहिष्णुता, धर्य और साहस का विकास होता ह तथा सामूहिक सदभाव और भाईचारे की भावना बढ़ती ह॥

खेल मनुष्य में पसी समझ को बढ़ावा देते हैं क्योंकि कोई भी खेल अकेले नहीं खेला जा सकता। टीम के साथ खेलकर हमें सहयोग से काम करने की दत पड़ती ह॥ मिलकर खेलने में व्यक्तिगत हार-जीत नहीं रहती। हार का दुःख तथा जीत की खुशी साथी खिलाडियों में बंट जाती ह॥

खेल में जीत के लिए वश्यक ह कि खिलाड़ी व्यक्तिगत यश के लिए न खेलें। वह अन्य खिलाडियों के साथ सहयोग से खेलें। इस प्रकार खेलों से टीम भावना तथा सहकारिता की भावना से काम करने की शिक्षा स्वयंमेव मिलती रहती ह॥

देवियो और सज्जनो,

मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा ह कि राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खेलों में असम के खिलाड़ी अपना जलवा बिखेर रहे हैं। वे खेल के मद्यान से उभरकर निखरते हैं और देश का परचम दुनिया में लहरा रहे हैं। राज्य के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों से खेल प्रतिभाएं सामने ईं और हमारे देश का मान बढ़ाया। इनमें धावक हिमा दास, फुटबालर अपूर्वा नार्जरी, अंजना सक्रिया, क्रिकेट खिलाड़ी उमा छेत्री, मुक्केबाज लवलीना बोरगाहाईं, जमुना बोड़ो जसे खिलाड़ी शामिल हैं। यह हम सभी के लिए बड़े गर्व की बात ह।

मेरे प्यारे खिलाड़ियों,

चैंपियन पद्या नहीं होते। चैंपियन समर्पण, संघर्ष, समर्थन और कड़ी मेहनत के माध्यम से तयार किए जाते हैं। मैं समझता हूं कि यह महोत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर का विकास कार्यक्रम ह, जिसका उद्देश्य युवा खेल प्रतिभाओं की खोज करना और उन्हें प्रोत्साहित करना ह।

 प सभी में जोश ह, उमंग ह, उत्साह ह। प में भी समान छूने की क्षमता ह। पके सपनों में पके क्षेत्र, पके राज्य और देश का भविष्य ह। इसलिए मेरा पसे अपील ह कि प संकल्प और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी परिश्रम करें।

मैं यह विश्वास के साथ कह सकता हूं कि पके सपनों को पंख देने के लिए सरकार, प्रशासन और सीमांत चेतना मंच जैसे संगठन पके साथ हैं।

अंत में इस क्रीड़ा महोत्सव में खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर प्रदर्शन किया। मैं उन सभी खिलाड़ियों और टीमों को बधाई देता हूं जिन्होंने पदक जीते। उनको भी मेरी शुभकामनाएं जो पदक नहीं जीत पाए। प्रतियोगिता का हिस्सा बनना ही अपने प में उपलब्धि ह।

मैं सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर को भी इस क्रीड़ा महोत्सव के सफल योजन की बधाई देता हूं।

धन्यवाद!

जय हिन्द!